न्यायालय सहायक कलेक्टर पीलीबंगा जिला हनुमानगढ

पीठासीन अधिकारी – अवि गर्ग आरएएस
मुकदमा संख्या :– 142/2017
अनुवान मुकदमा

1. कृश्णलाल पि0 ई ाराम जाति छिम्पा निवासयान क्रमा ाः– चक 2 एन एम ठाकरूवाला एंव चक 8 बी आर पी तहसील पीलीबंगा जिला हनुमानगढ़।
2. रामकुमार पि0 ई ाराम जाति छिम्पा निवासयान क्रमा ाः– चक 2 एन एम ठाकरूवाला एंव चक 8 बी आर पी तहसील पीलीबंगा जिला हनुमानगढ़।
3. आत्माराम पि0 ई ाराम जाति छिम्पा निवासयान क्रमा ाः– चक 2 एन एम ठाकरूवाला एंव चक 8 बी आर पी तहसील पीलीबंगा जिला हनुमानगढ़।
4. बनवारी पि0 ई ाराम जाति छिम्पा निवासयान क्रमा ाः– चक 2 एन एम ठाकरूवाला एंव चक 8 बी आर पी तहसील पीलीबंगा जिला हनुमानगढ़।
5. रामनिवास पि0 ई ाराम जाति छिम्पा निवासयान क्रमा ाः– चक 2 एन एम ठाकरूवाला एंव चक 8 बी आर पी तहसील पीलीबंगा जिला हनुमानगढ़।

वादीगण–

बनाम

1. श्री ई ाराम पुत्र स्वः श्री मेघराज जाति छिम्पा साकिन 2 एन.एम ठाकरूवाला तहसील पीलीबंगा जिला हनुमानगढ़।
2. तहसीलदार राजस्व पीलीबंगा

प्रतिवादीगण–

उपस्थित– श्री सजय चांडक अभिभशक वादीगण।
श्री अ ोक कुमार चिराणिया अभिभाशक प्रतिवादी सख्या 1
नायब तहसीलदार पीलीबंगा जरियें राजपेरोकार।

निर्णय दिनांक–08.11.2017

वाद पत्र अन्तर्गत धारा 88,209 आर.टी.ए.

वाद वादीगण अन्तर्गत धारा 88,209 आर.टी.ए. सक्षेप में इस प्रकार है कि वादीगण के दादा श्री मेघा व उसके भाई कालु पि0 तारू के नाम से ग्राम बडोपल बरानी के खसरा नं. 1082 में 6.12 बीघा खसरा नं. 1083 में 40.14 बीघा, खसरा न0 1087 में 6.10 बीघा खसरा न0 1171 में 8.03 बीघा एंव खसरा न0 1172 में 12.04 बीघा कुल 74.03 बीघा बारानी मोरूशीदार कृशी भूमि धारण में थी। तथा वादीगण के दादा श्री मेघा के भा श्री कालुराम पुत्र तारू अविवाहित एंव लाओलाद फौत हो गये थें इसलिए वादीगण के दादा श्री मेघा एंव श्री कालु पि0 तारू की मृत्यु के बाद उक्त समस्त कृशी भूमि कानुन एक मात्र स्व0 श्री के वारीसान दाना–ईसर–मुखी पुत्र/पुत्री मेघा के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज हुई। यहा तक कोई विवाद भी नही है। अपने उक्त कथनों की पुश्टि में प्रमार्णित नकल नामान्तरण रजिस्टर सख्यां 763 की प्रमार्णित प्रति सलग्न वाद – पत्र है। तथा उक्त समस्त पैत्रिक कृशी भूमि मे से वर्तमान राजस्व रिकार्ड में दाना–ई ार

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

पि0 मैघा के नाम खसरा न0ं 1082 में 1.670 है0 खसरा न0 1171 में 2.062 है0, खसरा न0 1172 में 3.087 है।0 एंव खसरा न0 2383 में 5.692 है0 कुल 12.511 है0 बारानी खातेदारी कृर्शी भूमि दर्ज चली आ रही है। अपने कथंनो की पुश्टि में प्रमार्णित नकल जमाबन्दी सम्वत् 20–207 हमरा इस वाद–पत्र के साथ सलग्न है। तथा उक्त रकबा दाना –ई ार पि0 मेघा के नाम से राजस्व रिकार्ड में ब0हि0ब0 दर्ज है। अर्थात उक्त रकबा में ई ारराम पुत्र मेघाराम प्रतिवादी न0 1 का 1/2 हक व हिस्सा होना प्रमाणित है। यहा तक भी कोई विवाद नही है। तथा उक्त खातेदारी कृशी भूमि निर्विवाद रूप से वादीगण की पैतृक कृशी भूमि है। जिस पर वर्शो से वादीगण एंव प्रतिवादीगण न0ं 1 भान्तिपुर्वक संयुक्त रूप से का त करते आ रहे है।तथा वादीगण एंव प्रतिववादीगण न0ं 1 सयुक्त हिस्सा हिन्दु परिवार के सदस्य है। सयुक्त परिवार का एंव सयुक्त परिवार की धारित चल – अचल सम्पति का आज दिंनाक तक विधिवत विभाजन नही हुआ है।

तथा वादीगण के सयुक्त परिवार का मुखिया प्रतिवादी सं0 1 ईसरराम पुत्र मेघराम हैं उक्त पैतृक कृशी भूमि की आय से परिवार के मुखिया प्रतिवादी न.0 1 ईसराराम पुत्र मेघराम है। राजस्व तहसल पीलीबंगा क वक न0 10 एस टी बी के खाता सं0 112/107 में पं नं. 40/355 में कि. नं. 2,5/1 ता 9 में 1.314 है0 चक 1 एन एम के खाता सं. 65/64 में पं. नं. 32/360 में कि. नं. 21 ता 25 में 1.265 है0 चक 2 एन एम के खाता सं. 65/64 में पं.नं. 37/360 में कि.नं. 1,10,11,20,21 में 1.265 है0 कमाण्ड/ अनकमाण्ड मय खाला कृशी भूमि अर्जित की गई है। उक्त अर्जित कृशी भूमि की तमाम देय कि त रा ाी सयुक्त परिवार के उक्त सदस्यों ने पैतृक कृशी भूमि से अर्जित की गई आय से भुगतान की है। तथा उक्त अर्जित की गई कृशी भूमि पर वादीगण एंव प्रतिवादी न0 1 का सयुक्त रूप से भाातिपुर्वक का त चली आ रही है। तथा वादीगण एंव प्रतिवादीगण न0ं 1 का अब संयुक्त परिवार काफी बडा हो चुका है। भूमि को सुधारने एंव समय–समय पर राज्य सरकार के द्वारा प्रदत की जा रही कृशी सबधि सुविधाए को प्राप्त करने में वादीगण को अनेंको कठिनाईया आ रही है। मुखिया प्रतिवादी न0 1 को कृशी सबधि हर कार्य के लिए इधर उधर लाना ले जाना कश्टदायक है। इसलिए वादीगण चक 10 एसटीबी के खाता सं. 112/107 में पं. नं. 40/355 में कि. नं. 2,5/1 ता 9 में 1.341 है0 खाता सं. 65/64 में पं. नं. 32/360 में कि. नं. 21 ता 25 में 1.265 है0 खाता सं. 64/60 में पं. नं. 37/360 में कि. नं. 1,10,11,20,21 में 1.265 है0 कमाण्ड/अनकामण्ड मय खाला कृशी भूमि में प्रत्येक के नााम से अर्थात वादीगण एंव प्रतिवादीगण न0 1 के नाम से प्रत्येक 1/6–1/6 हक व हिस्सा हाने की घोशणा करवाने के हकदार है। वादीगण के इस आ य की घोशणा स्वीकार की जावें। तथा वादीगण अपने अपने उक्त हक व हिस्सानुसार उक्त वादाधिन कृशी भुमि पर भोतिक रूप से काबिज भी चले आ रहे है। तथा सयुक्त का त भी करते आ रहें है। तथा

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

प्रतिवादी न0 1 के नाम से दर्ज उक्त रकबे के सबध में किसी भी प्रकार का कोई विवाद नही है। वं उक्त रकबा किसी भी सक्षम न्यायालय के स्थगन–आदे ा से प्रभावित नही है। तथा वादीगण चक न0 चक 10 एसटीबी के खाता स. 112/107 में प0न0 40/355 में कि. नं. 2,5/1 ता 9 में 1.341 है।0 चक 1 एन एम के खाता सं. 65/64 में पंन. 32/360 में कि. नं. 21 ता 25 में 1.265 है।0 चक 2 एन एम के खाता सं. –64/60 मे प.नं. 37/360 में कि. नं. 1,10,11,20,21 में 1.265 है0 कमाण्ड/ अनकमाण्ड मय खाला कृशी भूमि में प्रत्येक के नाम से अर्थात वादीगण एंव प्रतिवादीगण न0 1 के नाम से प्रत्येक के 1/6–1/6 हक व हिस्सा होने की घोशणा करवाने के हकदार है। वादीगण के इस आ य की घोशणा स्वीकार की जावें। साक्ष्य में जमाबन्दी सम्वत् 2070–2073 चक 10 एसटीबी, चक 1 एन.एम सम्वत् 2072–2075 व चक 2 एन. एम सम्वत् 2073–2076 व चक बडोपल सम्वत् 2070–2073, नकल नामान्तकरण ग्राम बडोपल बारानी स. 763 दिंनाक 24.11.1977 पे ा किये गयें।

प्रकरण दर्ज रजिस्टर कर प्रतिवादी को जरियें सम्मन तलब किया गया प्रतिवादी की ओर सें जरिये अधिवक्ता श्री अ ोक कुमार चिराणिया द्वारा ईकबालदावा दिंनाक 11.07.2017 को पे ा किया गया व प्रतिवादी स. 2 पेरोकार राज द्वारा अपना जबाब प्रस्तुत कर निवेदन किया कि राजयहित को सुरक्षित रखते हुए वाद पत्र का निस्तारण किया जावें। प्रकरण में विरोध नही होने के कारण तनकीयात कायम नही की गई। साक्ष्यवादी में वादीगण के भापथ पत्र व प्रतिवादी का भापथ पत्र तथा प्रतिवादी के परिवार का कुर्सीनामा व सहमति प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया।

बहस सुनी गई पत्रावली का अवलोकन किया गया वकील वादी द्वारा प्रकरण में किसी प्रकार का विरोध नही होंने के कारण सहमति अनुसार वाद वादीगण डिक्री करने हेतु निवेदन किया गया बहस पर मनन किया गया वाद वादीगण साबित होने के कारण स्वीकार कर चक 10 एसटीबी के खाता स. 112/107 में प0न0 40/355 में कि. नं. 2,5/1 ता 9 में 1.341 है0 चक 1 एन एम के खाता सं. 65/64 में पंन. 32/360 में कि. नं. 21 ता 25 में 1.265 है0 चक 2 एन एम के खाता सं.–64/60 मे प.नं. 37/360 में कि. नं. 1,10,11,20,21 में 1.265 है0 कमाण्ड/अनकमाण्ड मय खाला कृशी भूमि में दर्ज प्रतिवादी स. 1 के नाम भूमि में वादीगण व प्रतिवादी सं. 1 को 1/6–1/6 का खातेदार का तकार घोशित किया जाता है। पर्चा डिक्री जारी हो निर्णय सूनाया गया।

सहायक कलेक्टर
पीलीबंगा

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official